

आजाद सिपाही

मैं किसी से
डरनेवाला नहीं, हर
लड़ाई लड़ूंगा : हेमंतअबूआ
ओंभार
हेमन्त सरकार

नियुक्ति नियमावली में अड़चनों को दूर कर नियुक्तियों की कड़ियां जोड़ती हेमन्त सरकार

JSSC द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में
चयनित 327 अभ्यर्थियों एवं Re-counselling के उपरांत
चयनित 150 सहायक शिक्षकों कोमुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन
एवं मंत्रीगण सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

दिनांक: 27 सितम्बर, 2024 | समय: अपराह्न 12:00 बजे | स्थान: जैप-1 ऑडिटोरियम, डोरण्डा, रांची

युवाओं के सपने, हेमन्त सरकार के हैं अपने

- कृषि पदाधिकारी समेत कई पदों पर राज्य गठन के बाद पहली बार नियुक्ति
- विभिन्न विभागों में हजारों युवाओं की हुई नियुक्ति
- गरीब-गुरुबा परिवार के युवा बने अफसर

- JPSC अथवा JSSC द्वारा अनुशंसित विभिन्न पदों में 75% से 100% झारखण्ड के अभ्यर्थियों की नियुक्ति
- JPSC में रिकॉर्ड समय पर नियुक्ति
- निजी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को 75% आरक्षण के साथ 1 लाख से अधिक युवाओं को मिला ऑफर लेटर

एक समय था, जब धनबाद भाजपा में दागदारों को नहीं थी जगह

■ अब बहुत कुछ बदल चुका है, निष्ठावान कार्यकर्ता आसमान देखने लगे हैं

■ पुराने भाजपाइयों को अब भी भरोसा-सूरज निकलेगा, अंधेरा छटेगा

परिवर्तन को लेकर भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि परिवर्तन संसार का नियम है, लेकिन परिवर्तन वह अच्छा है, जो मानवता, मानवीय मूल्यों, सांसारिक संपदा, मानवाधिकार, सिद्धांत, नैतिकता, जीव संरक्षण, धर्म, ब्याय आदि में उत्कृष्टता लाये। राजनीतिक दलों को भी परिवर्तन की मूल परिभाषा और सार्थकता को समझना पड़ेगा, तभी किसी राज्य, जिला, जनपद, गांव-शहर में विकास संभव है और संगठन में मजबूती। झारखंड विधानसभा चुनाव की अधिसूचना अक्तूबर में जारी हो जायेगी। सभी राजनीतिक पार्टियां चुनावी मौड़ में आ चुकी हैं। सभी परिवर्तन की ही बात कर रहे हैं। भाजपा, कांग्रेस,

आजसू, जेएमएम, जदयू समेत सभी राजनीतिक दल झारखंड में परिवर्तन की लहर को लेकर सोशल मीडिया से लेकर जमीनी स्तर पर नारे बुलंद किये हुए हैं। सभा, चौपाल, संगठन चर्चा में भी परिवर्तन ही सुर्खियां बन रहा है। भाजपा ने चुनावी शंखनाद करते हुए झारखंड की वीरभूमि संथाल परगना प्रमंडल के भोगनाडीह से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई में

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड में परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की। इसी कड़ी में 26 सितंबर, गुरुवार को भ्रमिक नगरी धनबाद के गोलफ ग्राउंड में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल (पूर्वी) की परिवर्तन यात्रा का समापन कार्यक्रम में भाग लिया। दूसरी जगहों पर भाजपा की परिवर्तन यात्रा लगातार जारी है। परिवर्तन के इस दौर में आज

चर्चा करेंगे धनबाद जिला की, जहां कभी मजदूर नेता जनप्रतिनिधि होते थे, अब बाहुबली को तरजीह मिल रही है। धनबाद कभी सिद्धांत और मजदूर हित, जनहित, सेवा भाव के लिए सर्वश्रेष्ठ था। वहां अब दबंगों का शोर, बाहुबली की जी-हुजुरी सर्वोपरि बन गयी है। अन्य दलों के साथ-साथ बीजेपी की धनबाद इकाई भी इस रोग से ग्रसित हो चुकी है। यह वही धनबाद भाजपा है, जहां पहले दागदारों के लिए कोई जगह नहीं थी। लगता है धनबाद में वह दौर अब समाप्त हो चुका है। परिवर्तन के इस दौर में अब कितना बदल चुकी है धनबाद भाजपा, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता मनोज मिश्र**

एक समय था सिंह मेशन के युवराज को नहीं दी थी भाजपा की सदस्यता

पूर्व झरिया विधायक और धनबाद में सिंह मेशन के संस्थापक मजदूर नेता सूर्यदेव सिंह पहचान के मोहताज नहीं थे। भाजपा के केंद्रीय नेता से लेकर प्रदेश स्तरीय नेताओं के धनबाद आगमन पर सिंह मेशन की दहलीज पर आना स्वभाविक माना जाता था। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर सिंह भी विधायक सूर्यदेव सिंह के घर आते थे। 70 के दशक से सिंह मेशन का तूती बोलती, पर शायद बहुत कम लोगों को जानकारी होगी कि साल 1999-2000 में जब झारखंड राज्य का आंदोलन तेज था, धनबाद में भाजपा संगठित, अनुशासित और निष्ठावान कार्यकर्ताओं से भरी हुई थी। यह वह समय था, जब विधायक सूर्यदेव सिंह के बेटे तथा सिंह मेशन के युवराज राजीव रंजन सिंह की तूती बोलने लगी थी। राजीव रंजन सिंह भाजपा की सदस्यता चाहते थे और इसके लिए राजीव रंजन सिंह दर्जनों वाहन और समर्थक के साथ संध्या काल धनबाद के जेसी मल्लिक रोड स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे थे। कार्यालय में उस वक्त तत्कालीन भाजपा जिला अध्यक्ष बिजय झा थे। राजीव रंजन सिंह ने भाजपा की सदस्यता का आग्रह जिलाध्यक्ष बिजय झा से किया, लेकिन उन्होंने उन्हें सदस्यता देने से इंकार कर दिया। इस घटना के अगले दिन राजीव रंजन सिंह 101 वाहनों के काफिले के साथ रांची पहुंचे और तत्कालीन भाजपा महामंत्री प्रवीण सिंह ने राजीव रंजन सिंह को भाजपा की सदस्यता दिला दी। सिंह मेशन के युवराज राजीव रंजन सिंह पुनः धनबाद भाजपा कार्यालय 25 वाहनों का काफिला लेकर पहुंचे और सदस्यता रसीद की अधकटी सामने रखते हुए जिलाध्यक्ष की जगह पर हस्ताक्षर बिजय झा से करनी की गुजारिश की, लेकिन बिजय झा अडिग रहे। उन्होंने सदस्यता रसीद पर हस्ताक्षर नहीं किया।



बही, जो धनबाद के सांसद दुल्लू महतो बोले वही सही। धनबाद सांसद दुल्लू महतो के चंदनकियारी में दिये गये बयान के बाद भाजपा नेताओं के बीच खलबली मची है। पूछे जाने पर भाजपा नेता यह भी कहते हैं कि क्या इस बयान के बाद अभी भी किसी की हिम्मत है कि दुल्लू महतो के भाई शत्रुघ्न महतो उर्फ शरद महतो के खिलाफ आनेवाले विधानसभा चुनाव में बाघमारा से कैडिडेट होने का भाजपा से कोई दूसरा दावा करे। कुछ भाजपा नेता यहां तक कहते हैं कि ये सारी बातें समय पर छोड़ दीजिए, समय सबका इलाज करता है।

दुल्लू और एलबी में गठबंधन, क्या गुल खिलायेगा

धनबाद में आउटसोर्सिंग का बेताज बादशाह कहे जानेवाले एलबी सिंह ने अब सियासत में

सार्वजनिक हो चुका है।

भाजपा सांसद दुल्लू महतो की पूरी कोशिश है धनबाद से फिर से राज सिन्हा को टिकट नहीं मिले। एक सोची-समझी रणनीति के तहत धनबाद के कई भाजपा कार्यकर्ता राज सिन्हा के खिलाफ विभिन्न सोशल साइटों पर आग भी उगल रहे हैं। दूसरी तरफ अपने विशेष गुण के कारण एलबी सिंह प्रचार माध्यमों पर हावी हो गये हैं।

भाजपा को किडनैप कर लेना चाहते हैं दुल्लू: पीएन सिंह

पूछे जाने पर पूर्व धनबाद सांसद पीएन सिंह समेत अन्य भाजपा के वरिष्ठ नेता कहते हैं कि दरअसल दुल्लू महतो धनबाद में भाजपा को किडनैप कर लेना चाहते हैं, ठीक उसी प्रकार जैसे उन्होंने बाघमारा विधानसभा में किया। बाघमारा विधानसभा में उनके खिलाफ कोई कैडिडेट होने का दावा नहीं करता था। ठीक

उसी प्रकार वह धनबाद में करना चाहते हैं। दुल्लू महतो चाहते हैं कि धनबाद से एलबी सिंह और बाघमारा से अपने भाई को टिकट दिला दें।

भाजपा नेताओं की मानें, धनबाद प्रमंडल की गुरुवार को आयोजित परिवर्तन रैली को तैयारी के लिए झरिया और बाघमारा में कोई बैठक नहीं हुई। आश्चर्य यह भी है कि धनबाद के राज सिन्हा, झरिया से भाजपा के टिकट की प्रबल दावेदार रागिनी सिंह और कल तक बाघमारा का प्रतिनिधित्व करनेवाले आज के धनबाद के भाजपा सांसद दुल्लू महतो ने एक दूसरे से इस मुद्दे पर मिलने की भी कोशिश नहीं की और न ही समन्वय बनाया। जबकि धनबाद के गोलफ ग्राउंड यानी रणधीर वर्मा स्टेडियम में होनेवाली परिवर्तन रैली में धनबाद, झरिया और बाघमारा के लोगों को ही सिर्फ भाग लाना था। चर्चा शुरू हो गयी है कि जिस प्रकार की राजनीति दुल्लू महतो ने धनबाद में शुरू की

जामताड़ा में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा झारखंड में कमल खिलेगा, भ्रष्ट सरकार का अंत निकट: धामी

आदिवासी समाज का असली उद्धारक केवल मोदी सरकार घुसपैठियों को समर्थन देनेवाली सरकार आदिवासी बेटियों के सम्मान की दुरुष्मान आदिवासी युवाओं को धोखा देनेवालों को जनता सिखायेगी सबक

आजाद सिपाही संवाददाता

जामताड़ा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पु्कर सिंह धामी ने गुरुवार को जामताड़ा के कुड़हिन में आयोजित परिवर्तन सभा को संबोधित किया। भारी बारिश के बावजूद परिवर्तन यात्रा में उमड़ी भारी भीड़ को देख कर उन्होंने कहा, आप सभी का यह जोश और समर्थन इस बात का संकेत है कि इस बार झारखंड में कमल का फूल खिलने वाला है। उन्होंने कहा कि चाहे आंधी आये

या तूफान, भाजपा की यह परिवर्तन यात्रा कभी रुकनी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड में अपार संपदा है। यह धरती उस पहचान के लिए जानी जाती है कि जब देश में आजादी की शुरुआत भी नहीं हुई थी, तब अगर किसी ने सबसे पहले आवाज उठायी थी, तो वह आदिवासी समाज था। संथाल आदिवासियों की बेटी देश की प्रथम नागरिक बनी हैं, और यह केवल मोदी की ही सरकार में ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार आदिवासी समाज के लोगों को मुख्धारा में लाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी जी की गारंटी है, जिन्होंने झारखंड में अनेक विकास कार्य किये हैं, जिनका लाभ यहां की जनता को मिल रहा है। जामताड़ा के नाला क्षेत्र में अनेकों सड़कों का निर्माण हुआ है, किसानों को 154 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान



की गयी है और बिजली कनेक्शन देने का काम हुआ है।

श्री धामी ने कहा कि गु्ठीकरण करने वाले, भाई-भतीजावाद को बढ़ावा देने वाले और भ्रष्टाचार में लिप्त जेएमएम, आरजेडी और कांग्रेस की यह गठजोड़ सरकार झारखंड में चल रही है। ये लोग झारखंड की जनसांख्यिकी के साथ खिलवाड़ करने की साजिश रच रहे

हैं। घुसपैठियों को आदिवासियों की जमीन, उनकी बेटियों और उनकी आजीविका के साधनों को नष्ट करने की साजिश की जा रही है। आदिवासी बेटियों के साथ अन्याय हो रहा है। यह सरकार साजिशें रच कर आदिवासी समाज के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि संथाल क्षेत्र में पहले आदिवासियों की जनसंख्या 44% थी, जो अब घट कर 28% रह गयी है। 37 आदिवासी बहनों के साथ बलात्कार हुआ। आदिवासी युवाओं को भी धोखा दिया गया है। झारखंड में एक के बाद एक परीक्षाएं लोक हुई हैं, जिसका सबसे ज्यादा नुकसान गरीब युवाओं को हुआ है। नकल माफिया और पेपर आउट करने वाले लोग सरकार की मिलीभगत से लोगों के हक लूटने में लगे हुए हैं। यह सरकार पैसे लेकर पेपर बांटती है और गरीबों का हक छीनती है। भाजपा की

सरकार आने पर ये सारी रिकियां भरी जायेंगी। श्री धामी ने कहा कि देश में लंबे समय तक कांग्रेस का शासन रहा है। कांग्रेस ने 60 साल में सिर्फ अपनी तिजोरी भरने और भ्रष्टाचार को जन्म देने का काम किया है। पूरा परिवार घोटालों में लिप्त रहा है। यह सरकार रांची में दुर्गा पूजा के पंडालों को लगाने से रोकने की साजिश करती है, इसलिए, ऐसी सरकार को बदलना जरूरी है। झारखंड में परिवर्तन आवश्यक है। घुसपैठियों को संरक्षण देने वाली इस सरकार को आने वाले समय में उखाड़ फेंकना है। झारखंड के विकास के बारे में सोचने वाली सरकार को लाना है। जहां-जहां डबल इंजन की सरकार है, वहां विकास तेजी से हो रहा है। अपनी संस्कृति के संरक्षण और झारखंड को विकास की गति देने के लिए, आगामी चुनावों में भाजपा को विजयी बनाने का संकल्प लें।

छत्तीसगढ़ में 2050 करोड़ रुपये के शराब घोटाले के मामले में मामला दर्ज झारखंड के आइएएस विनय चौबे भी आरोपी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। छत्तीसगढ़ में कथित तौर पर हुए 2050 करोड़ रुपये के शराब घोटाले के मामले में रायपुर के आर्थिक अपराध शाखा ने मामला दर्ज किया है। इस मामले छत्तीसगढ़ के अधिकारियों के अलावा झारखंड के आइएएस और तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय चौबे को भी आरोपी बनाया गया है। इंडोडब्ल्यू रायपुर के इंस्पेक्टर ने रांची के अरगोड़ा टुटेजा, अनवर देवर, अरुणपति त्रिपाठी और उनके सिंडिकेट पर आरोप लगाया है कि शराब घोटाला करके छत्तीसगढ़ सरकार को अरबों रुपये के राजस्व का नुकसान पहुंचाया है। आरोपों में यह भी कहा गया है कि इसी



सिंडिकेट ने झारखंड के अधिकारियों के साथ मिलकर झारखंड की आबकारी नीति को बदलवाया और सरकार को राजस्व को छति पहुंचाया है। आरोपों में यह भी कहा गया है कि दोनों राज्यों के अधिकारियों ने मिल कर मैन पावर सप्लाय में भी घोटाला गया है। आरोपों के मुताबिक, दोनों राज्यों के अधिकारियों के बीच वर्ष 2021

के दिसंबर से लेकर जनवरी 2022 कई बैठकें हुई हैं। बता दें कि इससे पहले अप्रैल 2023 में शराब घोटाले को लेकर आइएएस विनय चौबे और कर्ण सत्यार्थी ने इडी के रायपुर कार्यालय में अपना बयान दर्ज कराया था। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले मामले में इडी भी जांच कर रही है। इडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज करायी है। जांच एजेंसी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आइएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी अरुणपति त्रिपाठी और कारोबारी अनवर देवर के अवैध सिंडिकेट के जरिये घोटाले को अंजाम दिया गया था। साल 2019 से 2022 तक सरकारी शराब दुकानों से अवैध शराब डुप्लीकेट होलोग्राम लगाकर बेची गयी थी, जिससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है।



सीएम ने किया 1.76 लाख किसानों का 400 करोड़ ऋण माफ मैं किसी से डरनेवाला नहीं हर लड़ाई लड़ूंगा : हेमंत

- डीबीटी के माध्यम से पैसे हस्तांतरित किये
- एक रुपये में फसल बीमा करने की योजना का उद्घाटन
- दूध उत्पादकों की प्रोत्साहन राशि पांच रुपये प्रति लीटर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि वह किसी से डरनेवाले नहीं हैं। भाजपा के लोग चाहे कुछ भी कर लें, झारखंड के लोगों के हितों के लिए उनका अभियान जारी रहेगा। गुरुवार को धुर्वा के प्रभात तारा मैदान में आयोजित किसान सम्मान योजना कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने झारखंड सरकार की कृषि ऋण माफी योजना के तहत एक लाख 76 हजार 977 किसानों का चार सौ करोड़ रुपये का ऋण माफ किया। योजना के तहत



पता नहीं, इस योजना के खिलाफ भी कोई पीआइएल कर दे

सीएम ने कहा कि यह कार्यक्रम किसान लोन माफी नहीं, किसान सम्मान योजना है। भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग किसानों को पूंजीपति के हाथ बेचने जा रहे थे, मगर किसानों ने एक साल आंदोलन करके तीन कृषि कानून को वापस कराया। इनके पास एमएसपी देने का पैसा नहीं है, मगर इनके पास पूंजीपतियों का लोन माफ करने का पैसा है। सीएम ने कहा कि कोई किसी को जबरदस्ती परेशान करता है, तो उसे गरीबों की हाथ लगती है। मुझे भी झूठे केस में जेल भेज दिया गया। पता नहीं, दो लाख तक की कृषि लोन माफी के खिलाफ भी कोई कोर्ट में पीआइएल दायर कर दे। मगर मैं डरनेवाला नहीं हूँ। इनके खिलाफ हर लड़ाई लड़ूंगा।

400.60 करोड़ की राशि को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किया। मौके पर मुख्यमंत्री ने झारखंड के दूध

उत्पादकों को दूध उत्पादन के लिए प्रोत्साहन राशि को दो रुपये से बढ़ा कर पांच रुपये प्रति लीटर करने की योजना और एक रुपये में फसल

बीमा करने की योजना का भी शुभारंभ किया। इससे 16 लाख किसान लाभान्वित होंगे।
(शेष पेज 04 पर)

बहुरूपिये आयेंगे, बरगलायेंगे, सचेत रहें, हेमंत को दुबारा चुनें: कल्पना सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। मईयां सम्मान यात्रा के क्रम में चौथे दिन गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन घाटशिला और बहरागोड़ा के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचीं। उन्होंने कहा कि मां और बेटी अपने परिवार और बच्चों के प्रति जो त्याग करती हैं, हेमंत सरकार ने मां और बहनों के सम्मान में हर माह एक हजार रुपये मईयां योजना के तहत देने का काम किया है। घर की बेटी लक्ष्मी का स्वरूप होती है और घर में किलकारी गुंजती है तो उस घर में खुशहाली और समृद्धि रहती है। उन्होंने कहा कि जिस घर में महिला खुश रहती है, वह घर खुशहाल होता है और राज्य समृद्ध होता है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने महिलाओं को मान सम्मान के साथ आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से पुछा कि मईयां सम्मान से क्या आप खुश हैं? जवाब में महिलाओं ने खुशी जाहिर की। कल्पना सोरेन ने कहा कि आज झारखंड में आपके दादा हेमंत कई जन कल्याणकारी योजनाएं ला रहे हैं और विपक्षी उन्हें बंद कराने के

- मईयां सम्मान यात्रा गुरुवार को बहरगोड़ा, चाकुलिया, धालभूमगढ़, घाटशिला, गुसाबनी से जाटगोड़ा, पोटाका होते हुए जमशेदपुर पहुंची
- गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन एवं महिला

बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की मंत्री बेबी देवी शामिल थीं

- चाकुलिया में आयोजित जनसभा को संबोधित किया कल्पना सोरेन ने



लिए पीआइएल कर रहे हैं। चुनाव में कई बहुरूपिये आवेंगे, आप सभी को बरगलाने का काम करेंगे। आप सचेत रहें और चुनाव में हेमंत दादा के समर्थन में वोट देकर दोबारा सरकार में लायें। उन्होंने कहा कि आज इतनी बारिश में भी माता और बहनों की भीड़ ने साबित कर दिया

है कि आनेवाला समय एक बदलाव का स्वरूप लेकर आ रहा है और आप सभी का आशीर्वाद हेमंत सोरेन को मिलेगा। झारखंड वीर महापुरुषों की धरती है। इसबार की लड़ाई आप सब मिलकर लड़ें, तभी राज्य का विकास होगा और आपको आपका हक मिलेगा।

उन्होंने कहा कि झारखंडी सरकार हर वर्ग के लिए काम कर रही है और आगे भी करेगी। कल्पना सोरेन ने कहा कि हेमंत सरकार ने जब पिछड़ों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण विस में पारित किया, तो फिर केंद्र सरकार इसको पारित क्यों नहीं कर रही? यह सवाल भाजपा के बड़े नेताओं से जरूर पुछिएगा। 136 करोड़ रुपये झारखंड सरकार की केंद्र सरकार के पास बकाया है। लगातार हेमंत सोरेन केंद्र सरकार से मांग रहे हैं, परंतु अब तक उक्त राशि झारखंड सरकार को नहीं मिली है। हेमंत सरकार ने राज्य में विकास की गंगा बहायी है, जिसका लाभ आज सभी समुदाय के लोगों को मिल रहा है। झारखंडी सरकार आप सबकी सरकार है। आने वाले विस चुनाव में सभी संगठित होकर हेमंत सरकार के पक्ष में मतदान कर दोबारा हेमंत सरकार को लायें।

मोदी सरकार का त्योहारों से पहले कामगारों को बड़ा तोहफा, न्यूनतम मजदूरी बढ़ी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। त्योहारों से पहले मोदी सरकार ने कामगारों, खासकर असंगठित सेक्टर के श्रमिकों को बड़ा तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने इस सेक्टर में काम करने वाले मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी दर बढ़ाने का एलान किया है। सरकार ने महंगाई के कारण जीवन यापन के बढ़ते खर्च को देखते हुए यह एलान किया है। नयी दरें 1 अक्टूबर 2024 से लागू होंगी। सरकार ने परिवर्तनीय महंगाई भत्ते (वीडीए) में संशोधन करके न्यूनतम मजदूरी दरों में वृद्धि की घोषणा की है। इस कदम का उद्देश्य श्रमिकों को जीवन यापन की बढ़ती लागत से निपटने में मदद करना है। केन्द्रीय क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में भवन निर्माण, लोडिंग और



अनलॉडिंग, वॉच एंड वार्ड, स्वीपिंग, सफाई, हाउसकीपिंग, खनन और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगे श्रमिकों को संशोधित मजदूरी दरों से लाभ मिलेगा। पिछला संशोधन अप्रैल 2024 में किया गया था। न्यूनतम मजदूरी दरों को कौशल स्तर- अकुशल, अर्ध-कुशल, कुशल और उच्च कुशल के साथ-साथ भौगोलिक क्षेत्र- ए, बी और सी

- अकुशल श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी दर 783 रुपये प्रतिदिन (20,358 रुपये प्रतिमाह)
- अर्धकुशल के लिए 868 रुपये प्रतिदिन (22,568 रुपये प्रतिमाह)

- कुशल, लिपिक और शस्त्र रहित चौकीदार के लिए 954 रुपये प्रतिदिन (24,804 रुपये प्रतिमाह)
- उच्च कुशल एवं शस्त्र सहित चौकीदार के लिए 1,035 रुपये प्रतिदिन (26,910 रुपये प्रतिमाह)

के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। संशोधन के बाद क्षेत्र ए में निर्माण, झाड़ू, सफाई, लोडिंग और अनलॉडिंग में कार्यरत अकुशल श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी दर 783 रुपये प्रतिदिन (20,358 रुपये प्रतिमाह), अर्धकुशल के लिए 868 रुपये प्रतिदिन (22,568 रुपये प्रतिमाह), कुशल, लिपिक और शस्त्र रहित चौकीदार के लिए 954

रुपये प्रतिदिन (24,804 रुपये प्रतिमाह) तथा उच्च कुशल एवं शस्त्र सहित चौकीदार के लिए 1,035 रुपये प्रतिदिन (26,910 रुपये प्रतिमाह) होगी। केंद्र सरकार औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में छह माह की औसत वृद्धि के आधार पर वर्ष में दो बार, एक अप्रैल और एक अक्टूबर से वीडीए में संशोधन करती है।

धनबाद में परिवर्तन यात्रा में रक्षा मंत्री ने हेमंत सरकार पर कसा तंज जेएमएम का मतलब ‘जम कर मलाई मारो’ कर मलाई मारो’: राजनाथ

झारखंड के विकास में झामुमो, कांग्रेस और राजद है बड़ी बाधा

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने झारखंड मुक्ति मोर्चा यानी जेएमएम को ‘जम कर मलाई मारो’ बताते हुए कहा है कि इसे झारखंड से बाहर निकाल कर दम लेंगे। गुरुवार को स्थानीय गोल्फ ग्राउंड में भाजपा की परिवर्तन यात्रा सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चंपाई सोरेन गरीब आदमी का बेटा है, इसलिए हेमंत सोरेन ने उसे सत्ता से बाहर कर दिया। चंपाई सोरेन ने क्या अपराध किया था कि उन्हें मुख्यमंत्री के पद से हटाया गया। यहां के सत्ताधारी दलों में लोक-लाज नहीं है। सीएम हेमंत सोरेन बालू से तेल निकालने में माहिर हैं। भ्रष्टाचार के आरोप में यहां के मुख्यमंत्री और मंत्री जेल जाते हैं और बाहर निकलने पर सीना तान कर घूमते रहते हैं। उन्होंने झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर जम कर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि झारखंड में



रोटी और बेटी का सम्मान बचाना है: बाबूलाल

सभा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जनता का सेलाब बता रहा है कि झारखंड परिवर्तन के लिए तैयार है। राज्य की हेमंत सरकार ने सबको ठगा है। हर परिवार को 72 हजार सालाना देने का वादा किया गया था, जो किसी को नहीं दिया। चूल्हा खर्च के लिए दो हजार रुपया देने का वादा, बच्चियों की शादी पर सोने का सिक्का, युवाओं को नौकरी देने का वादा किया गया था, लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। इस सरकार ने पांच वर्ष में नौकरी तो नहीं, मौत

जरूर दी। राज्य में हर परीक्षा में पेपर लीक हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य की हेमंत सरकार ने बालू, पत्थर और जमीन, यहां तक कि सेना की जमीन को भी लूटा है। अगर झारखंड में विकास होगा, तो वह भाजपा ही करेगी। जेएमएम-कांग्रेस ने राज्य को लूटा है। आज राज्य में कानून-व्यवस्था समाप्त हो गयी है। यहां रोटी, बेटी और माटी असुरक्षित है। यह रोटी, बेटी और माटी का संकल्प है और यह भीड़ आज बता रही है कि राज्य में परिवर्तन होने वाला है।

व्यवस्था परिवर्तन की जरूरत है। आगामी विधानसभा चुनाव में

भाजपा की सरकार बनायें। भाजपा की सरकार आयेगी, तो घुसपैठियों

अब ‘पेपर लीक मोर्चा’ बन गया है झामुमो: शिवराज सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। केन्द्रीय कृषि मंत्री सह झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने झामुमो को ‘पेपर लीक मोर्चा’ बताते हुए हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला है। गुरुवार को यहां प्रदेश भाजपा की परिवर्तन सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पांच साल में झारखंड में केवल अपराधियों और भ्रष्टाचारियों का बोलबाला रहा। राज्य में 74 सौ रपे, छह हजार अपहरण और सात हजार हत्या हुईं। हेमंत सोरेन सरकार से पूरा राज्य बेहाल है। चारों तरफ आतंक का राज है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन का संदेश देने परिवर्तन यात्रा आयी है। उन्होंने कहा कि झारखंड में आज मकान बनाने के लिए बालू नहीं मिल रहा है। गरीबों के लिए मकान बनाना मुश्किल हो गया है। रुबिका पर्हाड़िया जैसी हमारी बेटीयों को पहले प्रेम जाल में फंसाया जाता है और बाद में उनकी हत्या कर दी जाती है। राज्य में अपराधी खुल कर खेल रहे हैं, आम आदमी की जिंदगी सुरक्षित नहीं है। राज्य में मां, बहन और

- राज्य में पांच साल में 74 सौ रपे, छह हजार अपहरण और सात हजार हत्या हुईं

- हर बहन के बैक खाते में डबल पैसे डाल कर आत्मनिर्गैर बनायेगी भाजपा

- भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट में 2.87 लाख रिक्त पदों को भरा जायेगा



बेटियों का सम्मान सुरक्षित नहीं है। मां-बहनों को दंगे प्रति माह 2000 रुपये : केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में हमने लाटली बहना योजना से गरीब बहनों की जिंदगी बदलने की कोशिश की थी। जहां कई महीनों से बहनों के खातों में पैसे भेजे जा रहे हैं। इसे बढ़ा कर तीन हजार रुपये किया जा रहा है। आज कई राज्य इस योजना को अपना रहे हैं। हेमंत सोरेन ने पिछले चुनाव में दो हजार रुपया चूल्हा खर्च देने का वादा किया था, लेकिन चार साल तक

कुछ नहीं किया। अब चुनाव आया है, तब बहनें याद आयीं और एक महीने पहले से एक हजार रुपये डालना चालू कर दिया। इसका नाम मंडयां सम्मान योजना है, लेकिन इससे बड़ा अपमान बहनों का नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही हर मां-बहन के खाते में भाजपा 2000 रुपये भेजेगी। राज्य में परीक्षाओं में पेपर लीक हो रहा है। यह सब सरकार और सत्ताधारी दल के संरक्षण में हो रहा है। राज्य में 2.87 लाख सरकारी पद रिक्त

31 सौ रुपये प्रति क्रिटल धान खरीदेंगे

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि रघुवर दास सरकार ने खेती की जमीन वालों को प्रति एकड़ पांच हजार रुपये सालाना दिये जाने का फैसला किया था। अभी यह योजना बंद कर दी गयी है। भाजपा की सरकार बनते ही इसे चालू कर दिया जायेगा। मकान बनाने के लिए मुफ्त बालू दिया जायेगा। भाजपा नेता ने कहा कि धान यहां मिट्टी के भाव बिक रहा है। बगल में छत्तीसगढ़ और ओडिशा में भाजपा की सरकार है। वहां के किसान धान बेच कर खुश हैं। झारखंड में भाजपा की सरकार बनने पर 31 सौ रुपये प्रति किंवदंल की दर से धान खरीदा जायेगा।

हैं। भाजपा की सरकार बनने के बाद ये सभी पद भरने का निर्णय कैबिनेट की पहली बैठक में ही लिया जायेगा। भाजपा पूरी व्यवस्था में परिवर्तन करने की तैयारी कर चुकी है।

तीसरी बार शराब घोटाले की तैयारी में हेमंत सरकार : बाबूलाल मरांडी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने उत्पाद नीति में बदलाव को लेकर हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार इस नीति में बदलाव कर चुनावी धन इकट्ठा करने और लूट मचाये की तैयारी कर रही है। गुरुवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि कैबिनेट की स्वीकृत मिलने से पहले ही शराब के टैंडर की खबर लीक होकर इंटरनेट के टैंडर पोर्टल पर घूम रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि कैबिनेट मीटिंग से पहले ही यह बात बाहर कैसे आयी कि नीति में क्या बदलाव हो रहा है और इसका टैंडर होने वाला है। टैंडर की खबर लीक कर क्या किसी खास व्यक्ति/समूह को अनैतिक लाभ पहुंचाकर अनैतिक लाभ लेने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार द्वारा दोबारा शराब नीति लाना और कैबिनेट मीटिंग से पहले ही टैंडर

- चुनाव लड़ने के लिए अनैतिक तरीके से धन उगाही करने की है कोशिश

- भाजपा की सरकार बनने पर प्रस्तावित शराब नीति को रद्द किया जायेगा



पोर्टल पर इस खबर का लीक होना बताया है कि सरकार शराब नीति की आड़ में एक के बाद एक तीसरे बड़े घोटाले को अंजाम देने की तैयारी में है। श्री मरांडी ने कहा कि घोटालों, चोरी और धोखाधड़ी के लिए कुख्यात हेमंत सोरेन सरकार जाते-जाते एक बार फिर से बड़ा शराब घोटाला करने की तैयारी में है। उन्होंने कहा, पहले भी मैंने झारखंड में संभावित शराब घोटालों के बारे में चिंता व्यक्त की

थी। मुख्यमंत्री को इस बारे में चेताया था, लेकिन उन्होंने नैतिकता को पूरी तरह नजरअंदाज कर हेरा-फेरी का रास्ता अपनाया। ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की आदत से मजबूर हेमंत सोरेन लगातार तीसरी बार शराब नीति बदल कर चुनाव के लिए काला धन जुटाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आज मैं फिर से जनता के सामने यह बात सार्वजनिक कर रहा हूँ कि झारखंड में तीसरी बार शराब घोटाले की साजिश रची जा

रही है। पिछली बार इसमें छत्तीसगढ़ के शराब माफिया शामिल थे, जबकि इस बार पंजाब और हरियाणा के शराब माफियाओं को लाने की योजना बन रही है। इस घोटाले की पटकथा भी बिरसा मुंडा जेल से लिखी जा रही है। इस बार घोटाले का मुख्य मकसद चुनाव के लिए भारी फंड जुटाना और चुनाव के समय गांव-गांव में शराब बांटना है। जिस सरकार का कार्यकाल दो महीने बचा है, वह अगले तीन साल के लिए शराब दुकान का ठेका परोक्ष रूप से पंजाब-हरियाणा वालों को सौंप कर काला धन वसूलना चाहती है। उन्होंने कहा कि मैंने एक सितंबर को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री को सुझाव दिया था कि शराब बेचनेवाली गांव की गरीब आदिवासी महिलाओं को सरकारी शराब वितरण के माध्यम से जोड़ा जाये, लेकिन मुख्यमंत्री अपनी आदत से मजबूर हैं।

गुमला में शिवराज सिंह चौहान ने किया रोड शो झारखंड सरकार चुनावी वादा भी पूरा नहीं कर सकी : शिवराज

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। केंद्रीय कृषि मंत्री और भाजपा के झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी सह मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने गुमला में रोड शो किया। रोड शो का नेतृत्व भाजपा के बबलू वर्मा ने किया। श्री चौहान मुख्यतः गुमला जिला के सिसई में आयोजित परिवर्तन रथ यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करने पहुंचे थे। सिसई से नेतरहाट जाने के क्रम में वे गुमला पहुंचे थे। गुमला में कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इनके स्वागत में हवाई अड्डे के समीप से बाइक रैली निकाली गयी। जैसे ही रैली का शहर के अंदर प्रवेश हुआ शिवराज सिंह चौहान का रोड शो शुरू हो गया।

कार्यकर्ताओं ने उन पर फूल बरसाये, और भारतीय जनता पार्टी के समर्थन में जेठदार नारे लगाये गये। शिवराज सिंह चौहान का रोड शो स्थानीय टावर चौक पर आकर रुका। वहां स्थापित शहीद बेदी पर उन्होंने पुष्पअर्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि के बाद वहां से उनका काफिला पटेल चौक की तरफ चल पड़ा। मेन रोड में उन्होंने आम लोगों का अभिवादन किया। पटेल चौक पहुंचने के बाद उन्होंने कई लोगों से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने लोगों का कुशलक्षेम जाना। पटेल चौक से सीधे वे सफ़िकट हाउस पहुंचे। सफ़िकट हाउस



किसी राज्य में इतनी घटिया मानसिकता मैंने नहीं देखी : शिवराज सिंह चौहान

रांची। मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मेरी तो आपति इस पर है कि चंपाई सोरेन जी, जो मुख्यमंत्री के पिताजी के साथी थे, पहले न केवल उन्हें अपमानित किया गया, बाद में जब उन्होंने अपने आपको अपमानित महसूस किया, तो पार्टी छोड़ी झारखंड और झारखंड की जनता की खातिर। अब इतनी घटिया मानसिकता मैंने नहीं देखी कि उनकी सुरक्षा की गाड़ियां छिन ली गयीं। पद आते हैं, जाते हैं कोई बनता है, कोई नहीं बनता। लेकिन सामान्य शिष्टाचार दिखाना चाहिए। कभी किसी राज्य में ऐसा नहीं हुआ कि एकस सीएम की सुरक्षा की गाड़ियां चिढ़ कर छिन ली गयीं हों। ये उनकी निकट मानसिकता को दर्शाता है। ये घटिया सोच है। लेकिन चंपाई सोरेन भी टाड़भार हैं, वो गीढ़द भभकियां में नहीं आने वाले। लगातार ये सरकार घटियापन का साबूत दे रही है। ऐसे आरोप लगा रही है, जिसका जवाब देने की भी जरूरत नहीं है। लेकिन कम से कम चंपाई सोरेन की जिंदगी से तो खिलवाड़ न करें।

में मौजूद कुछ पत्रकारों से उन्होंने बातचीत की। बातचीत के क्रम में मीडिया से उन्होंने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार आज हर मोर्चे पर विफल है। चुनावी वादा भी सरकार ने पूरा नहीं किया। 5 लाख लोगों को नौकरी का वादा करके सरकार मुकर

उत्पाद सिपाही भर्ती दौड़ में जान गंवाने वालों के परिवार को मिलेगा चार-चार लाख रुपये मुआवजा

रांची (आजाद सिपाही)। उत्पाद सिपाही बहाली की शारीरिक परीक्षा के क्रम में तबीयत बिगड़ने के बाद जान गंवाने वाले अभ्यर्थी के परिवार को चार-चार लाख रुपये मुआवजा दिया जायेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने इस संबंध में पूर्व में घोषणा भी की थी। बता दें कि अगस्त में शुरू हुई सिपाही बहाली दौड़ के दौरान राज्य में कुल 17 युवकों की अब तक मौत हो चुकी है, वहीं कई बीमार होकर इलाजरत हैं। अभ्यर्थियों की लगातार मौत की घटनाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री ने संज्ञान लिया था और थोड़े समय के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा प्रक्रिया को स्थगित करने का निर्देश दिया था। बाद में निगरानी और सुविधाएं बढ़ाते हुए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गयी थी।

नव प्रोन्नत 140 हवलदारों को एसएसपी और सिटी एसपी ने किया सम्मानित

रांची (आजाद सिपाही)। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा और सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने गुरुवार को नव प्रोन्नत 140 हवलदारों को बिल्ला लगा कर सम्मानित किया। रांची जिले में पदस्थापित 140 एसएसपी उत्तीर्ण आरक्षियों का डीआइजी अनुप बिस्वर्षे के आदेश पर आरक्षी से हवलदारों की कोर्ट में प्रोन्नति दी गयी। इसके बाद एसएसपी और सिटी एसपी ने रांची पुलिस लाइन में हवलदार को बिल्ला लगा कर सम्मानित किया। इसके लिए कांके रोड स्थित पुलिस लाइन में पिंपिंग सेरेमनी का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर मेजर. सार्जेंट मेजर और झारखंड पुलिस में एस एसएसिएन शाखा रांची के पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कल रांची में, मारवाड़ी समाज करेगा भव्य स्वागत



रांची (आजाद सिपाही)। राईजिंग राजस्थान प्रवासी और इंडस्ट्रियल मीट के तत्वाधान में 28 सितंबर को शाम 5:30 बजे से पुरुलिया रोड स्थित स्वर्ण भूमि वैटरेट हॉल में राजस्थान प्रवासी और इंडस्ट्रियल मीट का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा होंगे। और कार्यक्रम को संबोधन करेंगे, कार्यक्रम को सफल बनाने तथा वृहत स्तर पर तैयारियां हेतु एक बैठक महाराजा अग्रसेन भवन के सभागार में किया गया। बैठक में मारवाड़ी समाज के सभी प्रमुख संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी संस्थाओं द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया जायेगा। बैठक में राजस्थान सरकार के प्रतिनिधि अमित सिंघल, हिंगलाज दान रतन, रोहित शर्मा, पूर्व सांसद महेश पोद्दार, पूर्व सांसद अजय मारु, भागचंद पोद्दार, गोवर्धन प्रसाद गाड़िया, विनय सारवगी, बसंत मित्तल, सुरेश चंद अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, मनोज चौधरी, किशन साहू, चंडी प्रसाद डालमिया, रत्नलाल बंका, सज्जन पाड़िया, रवि शर्मा, अशोक नारसरिया, अनिल अग्रवाल,मनोज बजाज, मुकेश काबरा,रमन वोडा, निर्मल बुधिया, नरेश बंका, संजय सराफ, सोरभ बजाज, विशाल पाड़िया, निरुज पोद्दार,सहित अन्य लोग उपस्थित थे। उक्त जानकारी कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी संजय सराफ ने दी।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में महिलाओं सहित सभी वर्गों के लिए संकल्प लिये जायेंगे : बंधु तिरकी

रांची (आजाद सिपाही)। विधानसभा चुनाव संबंधी झारखंड कांग्रेस की मेनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष बंधु तिरकी ने कहा है कि कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों के लिए प्रभावी कार्यक्रमों एवं नीतियों की घोषणा होगी, जिससे महिलाओं सहित सभी लोगों का आर्थिक-सामाजिक विकास और भी तेज गति से होे। गुरुवार को छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय मेनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष टीएस सिंहदेव के साथ श्री तिरकी ने मुलाकात की। इस दौरान श्री सिंहदेव ने श्री तिरकी को आवश्यक दिश-निर्देश के साथ-साथ मार्गदर्शन भी दिया और कहा कि समाज के सभी वर्गों तथा सभी समुदायों की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं के अनुरूप पिछले पांच साल में झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार ने लोगों की अपेक्षाओं पर सराहनीय काम किया है।

अगर मुझे कुछ हुआ, तो राज्य सरकार जिम्मेदार: चंपाई सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की राजनीतिक लड़ाई अब एक नयी दिशा की ओर बढ़ गयी है। झामुमो से पाला बदल कर भाजपा में आनेवाले पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन इतने दिनों शांत रहने के बाद राज्य की हेमंत सरकार पर हमलावर दिखने लगे हैं। यह मुद्दा तब से गरमाया है, जब से राज्य सरकार की डिमांड पर चंपाई सोरेन ने अपनी सरकारी गाड़ियां वापस की हैं। उसी के बाद से वह हेमंत सोरेन सरकार पर विशेष मुखर हैं। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने राज्य



के कैबिनेट सेक्रेटरी को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने लिखा है कि भविष्य में अगर उनके साथ किसी भी तरह की कोई अग्रिय घटना घटित होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेवारी राज्य सरकार की होगी।

हेमंत के आरएसएस की तुलना चूहे से करने पर सूबे की सियासत गरम

हेमंत सोरेन आप कितना वोट बैंक की राजनीति के कारण नीचे गिरेंगे: बाउरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आरएसएस की तुलना चूहे से करने पर सूबे की सियासत गरम हो गयी है। इस बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयास से ही आज भारत गुलामी की मानसिकता को तोड़कर विश्व पटल पर अपनी पहचान बढ़ा रहा है, लेकिन यह संघ भारत की अस्मिता और परंपरा को स्थापित कर रहा है। उसे हेमंत सोरेन अमर कुमार बाउरी ने कहा कि 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयास से ही आज भारत गुलामी की मानसिकता को तोड़कर विश्व पटल पर अपनी पहचान बढ़ा रहा है, लेकिन यह संघ भारत की अस्मिता और परंपरा को स्थापित कर रहा है। उसे हेमंत सोरेन अपने राज्य में प्रतिबंधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कारण



बाउरी ने कहा कि हेमंत सोरेन को राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ दिख नहीं रही, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत की अस्मिता और परंपरा को स्थापित कर रहा है। उसे हेमंत सोरेन अपने राज्य में प्रतिबंधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कारण

ही आज अपने धर्म के साथ जीवन यापन कर रहे हैं, नहीं तो उनके सहित सारे लोग अपने मूल धर्म को खो चुके होते। साथ ही कहा कि हेमंत सोरेन आप कितना वोट बैंक की राजनीति के कारण नीचे गिरेंगे। अपने अंतर्गत की आवाज को जरूर सुनें। बता दें कि हेमंत सोरेन ने आरएसएस को लेकर दिए गये बयान में उन्होंने कहा है कि यह आरएसएस के लोग चूहे की तरह हमारे अंदर घुसकर समाज को तोड़ने का काम करते हैं। जब हमारे एक नेता हमारी पार्टी में थे, तो वह 1932 की मांग करते थे, स्थानीयता की बात करते थे लेकिन भगवा होते ही उनकी भाषा भी बदल गयी है।

हाइकोर्ट ने जेएसएससी और सरकार को चार्ट के माध्यम से कोटिवार विषयवार कट ऑफ मार्क्स देने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016 की स्टेट मेरिट लिस्ट पर प्रार्थियों की आपति पर झारखंड हाइकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में हाइकोर्ट ने जेएसएससी और राज्य सरकार को चार्ट के माध्यम से ही राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट के आधार पर कोटिवार और विषयवार कट ऑफ मार्क्स देने का निर्देश दिया है। साथ ही कोर्ट ने इनसे पूछा है कि कितने सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति हुई है और यह कब हुई है।

कोर्ट ने प्रार्थियों से भी अपने मार्क्स एवं कट ऑफ मार्क्स कोर्ट में सूचित करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई 24 अक्टूबर को होगी। इससे पहले राज्य सरकार एवं झारखंड स्टाफ सिलेक्शन कमीशन(जेएसएससी) की ओर से बताया कि जेएसएससी स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016 के 26 विषयों की स्टेट मेरिट लिस्ट जारी कर दी गयी है। इस पर प्रार्थियों की ओर से कहा गया कि कट ऑफ से ज्यादा मार्क्स वालों का भी चयन हो गया है। सरकार को बताना चाहिए कि कितने लोगों की

जेएसएससी से 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू

रांची (आजाद सिपाही)। रांची के नामकुम स्थित झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की वहासदीवारी से 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी है। अनुमंडल दंडाधिकारी सदर ने गुरुवार को बीएनएसएस की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की है। यह निषेधाज्ञा 2 अक्टूबर की रात दस बजे

तक के लिए लागू रहेगी। निषेधाज्ञा के दौरान बिना सक्षम प्राधिकार की पुबानुमति के किसी प्रकार के धरना, प्रदर्शन, धेराव, जुलूस, रैली और आमसभा का आयोजन करने, किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र, बंदूक, राइफल, रिवाल्वर, पिस्टल, बम, बारूद, लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गद्दासा-भाला लेकर चलने पर पाबंदी लगा दी गयी है।

नियुक्ति हुई है और यह नियुक्ति कब हुई है। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने पैरवी

की। वहीं जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिंपरवाल, प्रिंस कुमार, राकेश रंजन ने पैरवी की।

यूनिक एकेडमी में डांडिया वर्कशॉप का आयोजन शुरू



रांची (आजाद सिपाही)। नवरात्रि के अवसर पर यूनिक एकेडमी में 23 सितंबर से डांडिया वर्कशॉप शुरू हुआ। यह वर्कशॉप 1 घंटे का है, जिसमें डांडिया गरबा और बॉलीवुड गानों पर डांडिया के स्टेप्स सिखाये जा रहे हैं। महिलाओं और लड़कियों ने इस वर्कशॉप में भाग लिया और डांडिया के स्टेप्स और गरबा के स्टेप्स सीखकर डांडिया नाइट्स में भाग लेने के लिए तैयार हो रही हैं। वर्कशॉप में भाग लेने वालों ने बताया कि यह वर्कशॉप उन्हें एक्टिव और खुशनुमा महसूस करा रहा है और यह एक ऐसी जगह है जहां पुराने दोस्तों से मुलाकात करने और नये दोस्त बनाने का मौका मिलता है। वर्कशॉप की कोरिग्राफ़ी महेश सर कर रहे हैं और इसका आयोजन यूनिक एकेडमी की संचालिका प्रिया केसरी हर साल करती हैं। नवरात्रि 3 अक्टूबर से शुरू हो रही है और शहर में जगह-जगह डांडिया नाइट्स का आयोजन किया गया है।

बिल्डिंग और हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में क्यूओएस सुधार के लिए डिजिटल कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर सेमिनार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। ट्राई आरओ कोलकाता ने आज होटल ग्रीन होराइजन, रांची में बिल्डिंग और हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में क्यू.ओ.एस सुधार के लिए डिजिटल कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर एक सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार का आयोजन आवास और भवन परिसरों में इनटो वातावरण में अनुकूल डिजिटल संचार बुनियादी ढांचा प्रदान करने और सेवा की दूरसंचार गुणवत्ता बनाए रखने की पृष्ठभूमि में किया गया है। सेमिनार का उद्घाटन अशोक कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक



(दूरसंचार), दूरसंचार विभाग, भारत सरकार द्वारा किया गया है। अशोक कुमार इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। ट्राई के सलाहकार डॉ. एसके सामंता ने दूरसंचार गुणवत्ता बनाए रखने की पृष्ठभूमि में किया गया है। सेमिनार का उद्घाटन अशोक कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक

आई.आई.ए, झारखंड चैप्टर और प्रोफेसर मंजरी चक्रवर्ती, आर्किटेक्चर विभाग, बीआईटी, मेसरा उद्घाटन सत्र के अन्य विशिष्ट अतिथि थे। अशोक कुमार, मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम का मुद्दा भाषण दिया। सत्र के प्रख्यात वक्ता प्रोफेसर मंजरी चक्रवर्ती, मनोज

मिश्रा, निदेशक, इंडस टावर लिमिटेड और चक्रपाणि के, नोकिया लिमिटेड थे। सत्र का संचालन डॉ. एस.के. सामंता ने किया। दूसरे सत्र में इमारतों और आवास परिसरों में डीसीआई के प्रावधान के लिए रियल एस्टेट डेवलपर्स और आर.डब्ल्यू.ए की भूमिका पर चर्चा की गयी। सत्र का संचालन दिलीप कुमार, डीडीजी, दूरसंचार विभाग, बिहार एलएसए द्वारा किया गया। गजानंद राम, उपाध्यक्ष, वास्तुकला परिषद, नई दिल्ली, और मृणाल कांत, सीटीओ, एयरटेल, झारखंड, सत्र के वक्ता थे।

शहीद शेख भिखारी कॉलेज में चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। शहीद शेख भिखारी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सभी बी.एड. प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया। चित्र कला प्रतियोगिता डॉ. अंजू शर्मा और श्रीमती सुनीता की देखरेख में हुई, जबकि निबंध प्रतियोगिता कार्यक्रम पदाधिकारी श्री प्रदीप सिंह की देखरेख में आयोजित की गयी। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सपना त्रिपाठी ने विजेताओं को शुभकामनाएं दीं।



डोरंडा महाविद्यालय में प्रतियोगिता



रांची (आजाद सिपाही)। डोरंडा महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा स्वच्छता ही सेवा और स्वच्छ भारत दिवस कार्यक्रम के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। इन प्रतियोगिताओं में पोस्टर मेकिंग, स्लोगन, निबंध, भाषण आदि शामिल थे, जिनमें लगभग 40 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन प्रोफेसर कंचन मुंडा के देखरेख में हुआ, जबकि प्रोफेसर मार्शल पूर्ति और डॉ युगेश महतो ने सहयोग प्रदान किया। एनएसएस वॉलंटियर्स आकाश, कंचन, संकल्प, ऋषभ, अल्लाफ, विनय, रौनक आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। यह कार्यक्रम 17 सितंबर से 1 अक्टूबर 2024 तक चलेंगा, जिसका समापन 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर होगा।



SHORT TENDER NOTICE

Sealed tenders in two bid system are invited from the reputed firms for supply of Books in College Library. The interested firms will quote percentage of discount to be given on the Book price. The B.O.Q. may be obtained from the college office on working days from 28.09.2024 to 04.10.2024 between 11:30 A.M to 2:30 P.M after payment of Rs. 2500/- (non-refundable) in Cash / Demand Draft in favour of the "Principal, KCB College, Bero" payable at Ranchi.

Last date of submission of tender is 04.10.2024 till 4.00 P.M. Tender will be opened the next day i.e. on 05.10.2024 at 1:00 P.M in the Principal's Chamber. The undersigned reserves the right to accept or reject any of all tenders without assigning any reason. Details of all the other terms and conditions may be obtained from the Principal's chamber.

Sd/- Principal
KCB College, Bero

Date : 25.09.2024

शपथ पत्र

As per Affidavit Ref. No. 6588 Dated 25.09.2024 I, GHANSHYAM KUMAR MAHTO S/O Bhuvneshwar Mahto, aged about 30 year's R/O village - Narkandi, P.O. - Hurlung, P.S. - Gomia, Dist-Bokaro, (Jharkhand), Pin - 825312 do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

1. That, my Nationality is Indian. 2. That, my Aadhar Card Vide No. - 3448 3592 7132 at P.O. Card vide No. - CUOPM0539E my name has been mentioned as GHANSHYAM KUMAR MAHTO but in Bank of India Branch Gomia Saving A/C No.- 481110110012580 my name has been mentioned as GHANSHYAM MAHTO. 3. That, GHANSHYAM KUMAR MAHTO and GHANSHYAM MAHTO both names are same and one person i.e. myself. 5. That, I want to correct or rectify my name in my above said Bank Account as GHANSHYAM KUMAR MAHTO in place of GHANSHYAM MAHTO. 5. That, I am swearing this affidavit to produce it before authority concern for needful purpose. 6.That, the above contents of this affidavit are true and correct in my best of knowledge.

शपथ पत्र के अनुसार क्र. सं. - 24761, दिनांक 25.09.2024 में शालिनी कुमारी (Shalini Kumari) उर्फ शालिनी कुमारी (Shalni Kumari) उम्र करीब 20 वर्ष, पिता-रंजीत प्रसाद, निवास स्थान - अटका पोस्ट-काजी फकी, थाना- तखली, जिला-पलामू, राज्य-झारखण्ड, शपथ के साथ निम्नलिखित उद्घोषणा करती हूँ कि:-

1. यह कि मेरा वास्तविक नाम शालिनी कुमारी (Shalini Kumari) है तथा मैं शालिनी कुमारी (Shalni Kumari) के भी नाम से जानी एवं पुकारी जाती हूँ।

2. यह कि मेरा वास्तविक नाम शालिनी कुमारी (Shalini Kumari) है जो कि मेरा वैधक सहित अन्य प्रमाण पत्र में मेरा नाम दर्ज है जो कि सही है जबकि मेरे आधार कार्ड संख्या- 6703 5324 9863 में मेरा नाम शालिनी से शालिनी कुमारी (Shalni Kumari) हो गया है जो कि गलत है।

3. यह कि मैं यह शपथ पत्र का निषादन अपने गलत नाम शालिनी कुमारी (Shalni Kumari) के स्थान पर अपना सही नाम शालिनी कुमारी (Shalini Kumari) को दर्ज करवाने के उद्देश्य से यह शपथ पत्र का निषादन कर रही हूँ।

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 6513 Dated 23.09.2024 I, VIKASH PRAJAPATI S/O Ram Prasad Prajapati, resident village-Gomia, Kumorh talu, P.O. & P.S.- Gomia, Dist-Bokaro, (Jharkhand) do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

1. That, I am aged about 19 years, 2. That my Aadhar No. is 7154 9133 9771. 3. That, I am an account holder of Bank of India, Gomia Branch hereby bearing Account No. 481110510005113. 4. That, my real and correct name is VIKASH PRAJAPATI which has been mentioned in my Aadhar Card but in my above said Bank Account of Bank of India, Gomia Branch my name has been mentioned as VIKASH KUMAR. 5. That, VIKASH PRAJAPATI and VIKASH KUMAR both represented as same and one identical person i.e. of myself. That, I am swearing this affidavit to rectify my name in my above said Bank account of Bank of India, Gomia Branch as VIKASH PRAJAPATI in place of VIKASH KUMAR and to produce it before the competent authority for needful purpose. 6. That, the contents made above are true and correct and nothing has been concealed and if any contents found false or incorrect then I am liable for the same.

शपथ पत्र

शपथ के अनुसार संख्या 149 दिनांक 24.09.2024, मैं मो जिरवा पति आतो साव निवासी - ग्राम - चट्टी पेठे पो-चट्टी पेठे, टंडवा, हजारीबाग, झारखंड 825321 शपथ पूर्ण बयान करती हूँ कि निम्नलिखित बातें मेरी जानकारी के अनुसार सही एवं सत्य हैं।

यह कि मैं भारतीय नागरिक हूँ तथा उपरोक्त पते का निवासी हूँ। 2. यह कि मेरा सही नाम मो जिरवा है जो कि मेरे आधार कार्ड - 3198 5457 8860 मे दर्ज है जिसको सुधार गया लेकिन गलती से मेरा नाम आधार कार्ड में जीरा देवी दर्ज हो गया जिसको फिर से सुधार कर मो जिरवा देवी करना है। 3. यह कि मो जिरवा एवं जीरा देवी दोनों नाम एक ही व्यक्ति का है जो कि मैं स्वयं हूँ।

4. यह कि मैं यह शपथ पत्र नाम प्रमाण एवं सुधार के लिए निषादित कर रही हूँ। यह शपथ पत्र आज दिनांक 24.09.2024 ई० को राँची में सम्पन्न होता है।

जज टिप्पणियों को लेकर गंभीर हों : सुप्रीम कोर्ट

कॉर्टक हाइकोर्ट के एक जज की ओर से हाल में एक सुनवाई के दौरान की गयी अशोभनीय और आपत्तिजनक टिप्पणियों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जो सख्त हिदायत दी, वह जूडिशरी के साथ ही शासन और समाज के अन्य हिस्सों पर भी लागू होती है। संबंधित जज की ओर से माफी मांग लिए जाने के बाद इस केस को ठीक ही बंद कर दिया गया, लेकिन चीफ जस्टिस की अगुआई वाली पांच सदस्यीय बेंच के इस दौरान दिये गये ऑब्जर्वेशन खास तौर पर गौर करने लायक हैं।

टिप्पणी में पूर्वाग्रह : यह मामला महत्वपूर्ण इसलिए भी है, क्योंकि हाइकोर्ट के जज की जो टिप्पणियां सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, उनमें दिखने वाला पूर्वाग्रह समाज के व्यापक दायरे में प्रचलित है। रोजमर्रा की जिंदगी में आम तौर पर लोग शहर के किसी खास हिस्से का पाकिस्तान या मिनी पाकिस्तान के रूप में जिक्र करते पाये जाते हैं। महिला विरोधी पूर्वाग्रह भी हमारे समाज की एक पुरानी और गहरी बीमारी है। ऐसे में जब हाइकोर्ट का जज किसी महिला वकील पर अशोभनीय टिप्पणी करता या शहर के किसी खास क्षेत्र को पाकिस्तान बताता दिखेगा, तो उसके दुष्प्रभावों की सहज ही कल्पना की जा सकती है।

तत्पर कार्रवाई : निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट का इस मामले को तुरंत संज्ञान में लेते हुए इस पर कार्रवाई शुरू करना शुभ संकेत है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़ का यह कहना भी अहम है कि देश के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान बताना हमारी क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट के इस सख्त रुख ने न केवल न्यायापालिका को बल्कि जिम्मेदार पदों पर बैठे सभी लोगों को यह संदेश दिया है कि उन्हें अपनी टिप्पणियों को लेकर गंभीर होना चाहिए।

पारदर्शिता जरूरी : इस मामले का एक और अहम पहलू है पारदर्शिता। चूंकि यह मामला हाइकोर्ट में सुनवाई के दौरान आवी टिप्पणी के सोशल मीडिया पर वायरल होने का था और जज का कहना था कि उनकी टिप्पणी को संदर्भों से काट कर पेश किया गया है, इसलिए कुछ हलकों में यह बात भी होने लगी थी कि हाइकोर्ट की कार्रवाई की लाइव स्ट्रीमिंग बंद होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अस्पष्टता की कोई गुंजाइश न रखते हुए साफ कर दिया कि अगर पारदर्शिता से कोई समस्या आती है, तो उसका एकमात्र जवाब है और ज्यादा पारदर्शिता।

सोशल मीडिया का दौर : सुप्रीम कोर्ट के रुख से साफ है कि सोशल मीडिया आज के दौर की हकीकत है और इससे बचने का प्रयास करने के बजाय इसकी मौजूदगी को स्वीकार करते हुए बेहतर तैयारी के साथ इससे पेश आने की जरूरत है।



अभिमत आजाद सिपाही

विकसित भारत हेतु पर्यटन: हमारे प्रथम अतुल्य भारतीय का विजन



गजेंद्र सिंह शेखावत

एक दशक पहले तक भारतीय पर्यटन को पर्यटन क्षेत्र में अन्य देशों के समकक्ष या उनसे आगे स्थापित करने के लिए भी एक ब्रांड एंबेसडर की जरूरत सामान्य बात थी। जिस तरह अन्य देश अपने देश के पर्यटन के प्रचार-प्रसार हेतु सुविख्यात फ़िल्मी सितारों और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को आकर्षित करने के लिए विज्ञापन राशि खर्च कर रहे थे, ठीक उसी तरह यहां भी यह महसूस किया गया कि अतुल्य भारत को एक नया रूढ़ि दिये जाने की आवश्यकता है। पिछले एक दशक में और पिछले 100 दिनों से भारत के केंद्रीय पर्यटन मंत्री के रूप में कार्य करते हुए मैंने सभी को यह कहते सुना है कि इस देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि हमारे बीच एक ऐसे नेता हैं, जो न केवल हमारे प्रधानमंत्री हैं, बल्कि वे अतुल्य भारत के सबसे बड़े वैश्विक ब्रांड एंबेसडर और हिमायती हैं। अपनी हर भूमिका में, वे भारत की बेहतरी के लिए काम करते हैं। मैं यह देखकर अत्यंत विस्मित और प्रेरित होता हूं, कि प्रधानमंत्री सदैव पर्यटन को अत्यंत महत्व देते हैं।

एक प्रधानमंत्री के रूप में वे निरंतर हमें यह याद दिलाते हैं कि हमें देश में पर्यटन की समग्र प्रगति और विकास के लिए सरकार के प्रत्येक स्तर पर कार्य करना है। लगभग 1,50,000 किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क बनाये जाने, बेहतर हवाई कनेक्टिविटी के लिए 500 नये हवाई रूट और 150 हवाईअड्डे शुरू किये जाने, तेज गति वाली चंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत और लगभग 100 पर्यटन परियोजनाओं को पूरा किए जाने के परिणामस्वरूप भारत में 250 करोड़ घरेलू पर्यटक यात्राएं (डीटीवी) दर्ज की गयीं, जो वर्ष 2014 में भारत द्वारा दर्ज 128 करोड़ घरेलू पर्यटक यात्राओं (डीटीवी) का लगभग दोगुना है।

इस राष्ट्र के वैश्विक प्रतिनिधि के रूप में वे अतुल्य भारत के विस्मयकारी पहलुओं को विश्व के समक्ष रखने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं। उनके नेतृत्व में भारत की जी-20 अध्यक्षता इस मायने में



प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप एकता नगर में पर्यटन को प्रमुख आधार के रूप में विकसित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए और अनेक उपाय किये गये। रोजमर्रा के आधार पर गंतव्य के रख-रखाव और प्रबंधन के लिए विशिष्ट स्ट्रेट्ज ऑफ़ यूनिटी क्षेत्र विकास और शासन प्राधिकरण स्थापित करने के साथ-साथ अंतिम बिंदु तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित की गयी। स्थानीय लोगों और युवाओं को पर्यटन से संबंधित सेवाओं और कार्यों के संबंध में प्रशिक्षित करने के लिए कौशल विकास केंद्रों की स्थापना की गयी।



अनूठी रही कि इन बैठकों का आयोजन देश भर के 60 अलग-अलग स्थानों पर किया गया। प्रधानमंत्री का यह विजन था कि भारत की जी-20 अध्यक्षता को माध्यम बना कर इन 60 गंतव्यों की पर्यटन पेशकशों के साथ-साथ उनकी संस्कृति, वि्वजीन तथा शिल्प की वैश्विक मंच पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाये। पिछले वर्ष जी-20 के कारण पर्यटन में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप वर्ष 2023 में भारत के पर्यटन क्षेत्र में होटल के नये कमरे सबसे अधिक संख्या में बनाये गये।

एक जन-नायक के रूप में उन्होंने विश्व की यात्रा पर निकलने से पहले अपने देश भारत को देखने-समझने के लिए राष्ट्र को देखो अपना देश हेतु प्रेरित किया है। स्वच्छता के महत्व की सीख देकर उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि उत्तरदायी पर्यटन हम सभी का सहज स्वभाव बन जाये। हर अवसर पर वे वैश्विक प्रवासी भारतीयों को अतुल्य भारत का प्रतिनिधि बनने की उनकी भूमिका निरंतर याद दिलाते हैं कि वे अपने विदेशी मित्रों और परिचितों को इस बात की जानकारी दें कि भारत की यात्रा किस प्रकार उनके लिए अविस्मरणीय हो सकती है। सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा फॉलो किये जाने वाले वैश्विक नेताओं में से एक के रूप में उनके द्वारा लक्षद्वीप, काजीरंगा, कन्याकुमारी, श्रीनगर और अन्य कई स्थलों की यात्रा करने मात्र से घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों में ऐसे गंतव्यों की यात्रा करने और भारत की कम लोकप्रिय

पर्यटन पेशकशों का अनुभव करने की अभूतपूर्व रुचि देखी गयी है।

पर्यटन में प्रधानमंत्री की निजी रुचि और भागीदारी को और अधिक स्पष्ट करने के लिए मैं आप सबको यह बताना चाहूंगा कि उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के पर्यटन विभाग में मुझे अपनी सेवा प्रदान करने का अवसर देते समय कहा था कि वे मुझे एक अंतिम महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप रहे हैं। तब से मेरा निरंतर यह प्रयास रहा है कि पर्यटन क्षेत्र में होटल के नये कमरे सबसे अधिक विकास के माध्यम के रूप में पर्यटन क्षेत्र के महत्व को ध्यान में रखते हुए हम भारत

अवसररचना विकास में भारत द्वारा तेजी

से की जा रही प्रगति का लाभ उठाते हुए नये पर्यटन गंतव्य विकसित करना इस तरह के लिए एक अव्यवसायिक योजना तैयार करें। अवसररचना विकास में भारत द्वारा तेजी से की जा रही प्रगति का लाभ उठाते हुए नये पर्यटन गंतव्य विकसित करना इस तरह के लिए एक अव्यवसायिक योजना तैयार करें। अवसररचना विकास में भारत द्वारा तेजी से की जा रही प्रगति का लाभ उठाते हुए नये पर्यटन गंतव्य विकसित करना इस तरह के लिए एक अव्यवसायिक योजना तैयार करें। अवसररचना विकास में भारत द्वारा तेजी से की जा रही प्रगति का लाभ उठाते हुए नये पर्यटन गंतव्य विकसित करना इस तरह के लिए एक अव्यवसायिक योजना तैयार करें।

देश-विदेश की खबरें

पीएम मोदी ने लांच किये 130 करोड़ में बने तीन स्वदेशी परम रुद्र सुपर कंप्यूटर

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को तीन परम रुद्र सुपर कंप्यूटर लांच किये हैं, जो स्वदेशी तकनीक से निर्मित हैं। यह कदम राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। सुपर कंप्यूटर की लागत 130 करोड़ रुपये आयी है। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये इन तीनों सुपरकंप्यूटरों को राष्ट्र को समर्पित किया। स्वदेशी रूप से विकसित किये गये इन सुपरकंप्यूटरों को कई वैज्ञानिक विषयों में अग्रणी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए पुणे, दिल्ली और कोलकाता में तैनात किया गया है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई देश तभी बड़ी उपलब्धियों का लक्ष्य रख सकता है, जब उसके पास बड़ी दृष्टि हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी का उन्नयन गरीबों को सशक्त बनाने के लिए होना चाहिए। उन्होंने मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार एक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का भी उद्घाटन किया। मोदी ने कहा कि आज का भारत संभावनाओं के अनंत आकाश में नए अवसरों का निर्माण कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाये हैं कि प्रौद्योगिकी में अनुसंधान से आम आदमी को फायदा हो। उन्होंने कहा, विज्ञान की सार्थकता केवल आर्थिकार और विकास में नहीं, बल्कि सबसे



आत्मिक व्यक्ति की आशा, आकांक्षाओं को पूरा करने में है। आज अगर हम हाइटेक हो रहे हैं, तो ये भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारी हाइटेक प्रौद्योगिकी गरीबों की ताकत बने।

2015 में नेशनल सुपर कंप्यूटिंग मिशन की शुरुआत

उन्होंने कहा, एक समय सुपर कंप्यूटर में गिने-चुने देशों की महारत मानी जाती थी। हमने 2015 में नेशनल सुपर कंप्यूटिंग मिशन शुरू किया और आज भारत सुपर कंप्यूटर की दृिष्टि में बड़े देशों की बराबरी कर रहा है। हम यहीं रुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी प्रौद्योगिकी में भारत अभी से आगामी हो रहा है। इस क्षेत्र में भारत को आगे ले जाने में हमारे राष्ट्रीय क्वांटम मिशन की बड़ी भूमिका होगी। यह नयी प्रौद्योगिकी आने वाले समय में हमारी दुनिया को पूरी तरह से बदल देने वाली है। इससे आइटी क्षेत्र, चिनिर्माण,

उद्योग, एमएसएमइ और स्टार्टअप क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव आयेगें और नये अवसर बनेंगे। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा, मिशन गगनयान की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और 2035 तक हमारे पास अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा। उन्होंने कहा कि परियोजना के पहले चरण को मंजूरी दी गयी है। मोदी ने कहा, अनुसंधान से आत्मनिर्भरता हमारा मिशन है। प्रधानमंत्री पहले पुणे से इन परियोजनाओं का उद्घाटन करने वाले थे, लेकिन महाराष्ट्र में भारी बारिश की वजह से उनका दौरा रद्द हो गया।

क्या खूबियां, क्या करेगा काम

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, सुपरकंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर तैयार किये गये हैं।

इन सुपरकंप्यूटरों को अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए पुणे, दिल्ली और कोलकाता में लगाया गया है। पुणे में विशाल मीटर रेडियो टेलीस्कोप (जीएमआरटी), फास्ट रेडियो बस्ट (एफआरबी) और अन्य खगोलीय घटनाओं का पता लगाने के लिए सुपरकंप्यूटर का इस्तेमाल किया जायेगा।

दिल्ली में इंटर यूनिवर्सिटी एक्सलेरेटर सेंटर (आइयूएसी) पदार्थ विज्ञान और परमाणु भौतिकी जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देगा, जबकि कोलकाता में एसएन बोस केंद्र भौतिकी, ब्रह्मांड विज्ञान और पृथ्वी विज्ञान जैसे क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देगा।

मौसम और जलवायु अनुसंधान में प्रगति

प्रधानमंत्री ने मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार जिस एक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का उद्घाटन किया, जिसे 850 करोड़ रुपये के निवेश से तैयार किया गया है। पीएमओ के अनुसार, यह परियोजना मौसम संबंधी अनुप्रयोगों के लिए भारत की कंप्यूटेशनल क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएमओ ने कहा कि दो प्रमुख स्थलों- पुणे में भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आइआइटीएम) और नोएडा में राष्ट्रीय मध्यम अवाधि मौसम पुनर्नर्माण केंद्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ) में मौजूद इस एचपीसी प्रणाली में असाधारण कंप्यूटिंग शक्ति है।

आजाद सिपाही

रॉची, शुक्रवार, 27 सितंबर, 2024

www.azadsipahi.in

06

स्वदेश दर्शन और प्रतिष्ठित पर्यटक गंतव्यों के विकास जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा स्थापित मॉडल से प्रेरणा लेते हुए, पर्यटन मंत्रालय अब सरकार के हर स्तर पर चर्चनित गंतव्यों को विकसित करने के संयुक्त प्रयासों द्वारा देश में पर्यटन संबंधी गंतव्य विकास की अगुआई कर रहा है। ऐसे अधिक प्रभावकारी हस्तक्षेपों की शुरुआत के प्रयास किए जा रहे हैं, जो विभिन्न गंतव्यों में पर्यटक अनुभव को पूरी तरह से बदल सकते हैं। साथ ही, निजी निवेश को सार्वजनिक निवेश का पूरक बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि भारत में पर्यटन संबंधी गंतव्य विकास के लिए दोनों एक संयुक्त शक्ति के रूप में कार्य कर सकें। इन गंतव्यों में मंत्रालय की विभिन्न पहलों के माध्यम से, कौशल निर्माण और डिजिटलीकरण जैसे पर्यटन साधनों को बेहतर बनाने के लिए भी कार्रवाई की जा रही है ताकि पर्यटन के लाभ उस गंतव्य में ही स्थानीय समुदायों और व्यक्तियों को प्राप्त हो सकें।

प्रधानमंत्री के जन भागीदारी के विजन से प्रेरित होकर, मंत्रालय ने देखो अपना देश पीपुल्स च्वाइस 2024 नामक एक राष्ट्र-व्यापी पोल शुरू किया है, ताकि नागरिक 5 श्रेणियों में भारत में अपने सबसे पसंदीदा पर्यटक स्थलों और गंतव्यों के बारे में जानकारी दे सकें। आगे बढ़ने के अपने प्रयासों में जनता की आवाज को शामिल करने के लिए पीपुल्स च्वाइस 2024 में शीर्ष पर आने वाले गंतव्यों को विशेष सहायता और निधि प्रदान की जायेगी, ताकि उन्हें दुनिया के समक्ष सर्वश्रेष्ठ अतुल्य भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले वैश्विक पर्यटन स्थलों के रूप में परिवर्तित किया जा सके।

ऐसा कोई भी दिन नहीं जाता जब माननीय प्रधानमंत्री हमें विकसित भारत के अपने विजन की याद न दिलायें। पर्यटन हमें उस महान विजन को पूरा करने के लिए अनेक अवसर प्रदान करता है। इस विश्व पर्यटन दिवस पर, मैं इस विजन को पूरा करने में अपनी भूमिका निभाने के लिए आप सबका आह्वान करता हूं, ताकि हम अपने माननीय प्रधानमंत्री जी की ही तरह 'अतुल्य भारतीय' बन सकें।

(लेखक : **केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री, भारत सरकार हैं।**)

बिलकिस बानो केस

गुजरात सरकार की आलोचना वाली टिप्पणी हटाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें बिलकिस बानो मामले से जुड़ी सुनवाई के दौरान राज्य के खिलाफ की गयी कुछ टिप्पणियों को लेकर फैसले की समीक्षा करने का अनुरोध किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार पर अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए 2002 के दंगों के दौरान बिलकिस बानो से सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में 11 दोषियों को सजा में छूट देने के राज्य सरकार के फैसले को आठ जनवरी को रद्द कर दिया था। इस दौरान कोर्ट ने गुजरात सरकार को कड़ी फटकार भी लगायी थी और कई टिप्पणियां भी की थीं। अब सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो मामले में दोषियों की रिहाई से संबंधित आदेश में भी गयी टिप्पणियों को हटाने से इनकार कर दिया। गुजरात सरकार ने याचिका दायर कर अदालत से कुछ टिप्पणियों को हटाने का अनुरोध किया था। गुजरात सरकार ने विशेष रूप से अदालत की उस टिप्पणी पर आपत्ति जतायी थी, जिसमें कहा गया था कि राज्य सरकार ने दोषियों के साथ साठगांठ की है। राज्य सरकार ने तर्क दिया कि यह टिप्पणी याचिकाकर्ता के प्रति पक्षपाती थी। हालांकि, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने इस याचिका से असहमत जतायी। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की

पीठ ने समीक्षा याचिका को खुली अदालत में सुचीबद्ध करने के आवेदन को भी खारिज कर दिया। पीठ ने कहा, समीक्षा याचिकाओं, चुनौती, दिये गये आदेश और उनके साथ संलग्न दस्तावेजों का ध्यापूर्वक अध्ययन करने के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि रिकॉर्ड में कोई त्रुटि या समीक्षा याचिकाओं में कोई दम नहीं है, जिसके कारण आदेश पर पुनर्विचार किया जाये। गुजरात सरकार ने याचिका में कहा था कि उच्चतम न्यायालय का आठ जनवरी का फैसला स्पष्ट तौर पर त्रुटिपूर्ण था, जिसमें राज्य सरकार को अधिकार हड़पने और विवेकाधिकार का दुरुपयोग करने का दोषी ठहराया गया था।

इस साल जनवरी में, सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि उन 11 दोषियों को, जिन्हें गुजरात सरकार ने अच्छे व्यवहार के आधार पर रिहा किया था, उन्हें फिर से जेल भेजा जाये। शीर्ष अदालत ने कहा था कि राज्य सरकार दोषियों की रिहाई के लिए सक्षम नहीं थी।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि दोषियों को केवल उस राज्य द्वारा रिहा किया जा सकता है, जिसने उन्हें शुरू में सजा दी थी। इस मामले में वह राज्य महाराष्ट्र था। कोर्ट ने कहा, गुजरात सरकार द्वारा शक्ति का प्रयोग सत्ता के हड़पने और दुरुपयोग का उदाहरण है। कोर्ट ने मई 2022 में लिये गये पिछले फैसले की भी कड़ी आलोचना की, जिसमें दोषियों को गुजरात सरकार से जल्दी माफी की अपील करने की अनुमति दी गयी थी।



सभी बेटियों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए: संजय सेठ



आजाद सिपाही संवाददाता

सिकिदिरा। बेटियों की सुरक्षा को लेकर बेदिया समाज ने सिकिदिरा में गुरुवार को एक विशेष पंचायत का आयोजन किया। जिसमें मानव तस्करी (ह्यूमन ट्रेफिकिंग) के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गई। इस पंचायत में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ और खिजरी के पूर्व विधायक रामकुमार पाहन भी शामिल हुए। पंचायत की पृष्ठभूमि में वर्ष 2023 की वह दर्दनाक घटना थी, जब बेदिया समाज की एक बेटी को मानव तसस्कर गिरोह ने दूसरे राज्य में बेच दिया था। जिसे बाद में समाज और भ्रष्टाचार मुक्ति संघ के दबाव के बाद पुलिस ने बरामद किया था। इसने जो अपने अनुभव बताये उसने पूरे समाज को झकझोर दिया था। इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए स्थानीय पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी बेटी के गायब होने की स्थिति में तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। कहा कि 'बेटियों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए'। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि दोषियों को बख्शा ना जाए और उनके

खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो। उन्होंने राज्य सरकार से भी अपील की कि झारखंड में बढ़ते बांग्लादेशी घुसपैठियों पर तत्काल रोक लगायें। क्योंकि वे आदिवासी बेटियों से विवाह कर हमारी संस्कृति और पहचान को खतरे में डाल रहे हैं। राज्य सरकार को तुरंत कदम उठाने चाहिए। वहीं, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने भी बेटियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए समाज को संगठित रहने का आह्वाण किया। वहीं, बेदिया समाज के अगुआ सह भाजपा एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष बुधराम बेदिया ने कहा कि समाज एकजुट हैं। वहीं, समाज ने एक स्वर में कहा कि बेटियों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जायेंगे। इस मौके पर रांची जिला ग्रामीण के पूर्व अध्यक्ष जैलेंद्र महतो, अमरनाथ चौधरी, मानकी राजेंद्र साही, युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यदेव मुंडा, जिला सोशल मीडिया प्रभारी शशि मेहता, एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष बुधराम बेदिया, सुजीत, सिकिदिरा मंडल अध्यक्ष सोहराई बेदिया, दिलीप मेहता आदि थे।

गेतलसूद जलाशय में प्रस्तावित सोलर पावर प्लांट की अन्यत्र स्थानांतरित कराने की मांग



अनगड़ा (आजाद सिपाही)। गेतलसूद जलाशय मत्स्यजीवी संघर्ष समिति अनगड़ा-ओरमांडी का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री सह सांसद संजय सेठ से मिला। उन्हें ज्ञापन सौंपकर स्थानीय मछुवारों के हित में गेतलसूद जलाशय में प्रस्तावित सोलर पावर प्लांट योजना को अन्यत्र स्थानांतरित कराने की मांग की। बताया कि गेतलसूद जलाशय से करीब एक हजार मछुआरों का परिवार रोजगार से जुड़ा है। इनके जीविकोपार्जन का एकमात्र सहारा मछली का शिकारगाही है। जलाशय में सोलर पैनल पॉवर प्लांट लग जाने से हजारों मछुआरों के परिवारों का रोजगार छीन जायेगा। उनके समक्ष रोजी रोटी की समस्या खड़ी हो जायेगी और वे सड़क पर आ जायेंगे। सदस्यों ने केंद्रीय मंत्री से इस सोलर पावर प्लांट योजना को दूसरी जगह स्थानांतरित कराने की पहल करने का अप्रग्रह किया। इस पर संजय सेठ ने भरोसा दिया कि वे किसी भी कीमत पर मछुवारों का रोजगार छीनेने नहीं देंगे। कहा कि मैं गेतलसूद जलाशय के आश्रित मछुवा परिवारों के साथ खड़ा हूं। इनकी बातों को केंद्र सरकार तक पहुंचाया जाएगा। मौके पर पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, संघर्ष समिति के अध्यक्ष डॉ रिखू नायक, सचिव भोला महतो, विमल नायक, सुजीत नायक, शिवप्रसाद नायक, रामू नायक, धुनेश्वर नायक, सावन, सोनू आदि मौजूद थे।

जैलेंद्र कुमार ने दो तड़ित चालक देने की घोषणा की



अनगड़ा (आजाद सिपाही)। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार ने नगड़ के ग्रामीणों के बीच दो तड़ित चालक देने की घोषणा की है। बुधवार को राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू, पूर्व विधायक राम कुमार पाहन, पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार, अमरनाथ चौधरी सिकिदिरा के नगड़ गांव निवासी मृतक सत्येंद्र महतो के परिजनों से मिले। सत्येंद्र की मौत पिछले दिनों ठनका की चपेट में आने से हो गई थी। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि यह गांव ठनका जोन बन गया है। ग्रामीणों ने राज्यसभा सांसद से गांव में तड़ित चालक लगाने की मांग की। वहीं, राज्यसभा सदस्य ने एक उच्च कोटि का तड़ित चालक लगाने का आश्वासन दिया। वहीं, उपस्थित भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार ने ग्रामीणों को तत्काल दो तड़ित चालक देने की घोषणा की। कहा कि शुक्रवार को ग्रामीणों को तड़ित चालक सौंप दी जाएगी। ग्रामीण श्रमदान कर गांव में दो जगहों पर इसे लगायेंगे। मौके पर ज्जि सदस्य अनुराधा मुंडा, शिबू महतो, मनीष महतो, शंकर महतो, रामसाय मुंडा, बिगेश्वर महतो, अमृत महतो समेत कई लोग मौजूद थे।

नहीं हटेगा बाजार : विधायक राजेश कच्छप

नामकुम (आजाद सिपाही)। नामकुम बाजार में सदियों से लगते आ रहे बाजार को कुछ लोगों ने हटाने की कोशिश की। जिसे लेकर गुरुवार को स्थानीय लोगों एवं सब्जी विक्रेताओं ने बैठक की। जिसमें खिजरी विधायक राजेश कच्छप भी उपस्थित हुए। विधायक ने कहा कि नामकुम बाजार यहां से नहीं हटेगा। यहां गरीब तबके के लोग सब्जी समेत तमाम वस्तु बेचने आते है। मौके पर मुखिया अनिता तिकी, मीनू सिंह, अनु बेक आदि मौजूद थीं।



विधायक ने किया सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। विधायक नवीन जायसवाल ने नगड़ी चेक पोस्ट चौक पर गुरुवार को सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। नगड़ी चेक

पोस्ट चौक से बांध टोली तक डेढ़ किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क के सतह नवीनीकरण योजना

अंतर्गत किया जा रहा है। विधायक ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि इस सरकार को आम लोगों की समस्याओं से कोई मतलब नहीं है। सरकार

केवल अपनी जेब भरने में लगी है। विधानसभा चुनाव में अबकी बार इस जन विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकना है। इस मौके पर जिला परिषद

सदस्य पूनम देवी, सांसद प्रतिनिधि केदार महतो, चुड़ामणी महतो, महावीर महतो, मुखिया प्रेम किस्पोड़ा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

स्थानीय सूचना प्रपत्र VI 'क' झारखण्ड सरकार

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग

(भू-अर्जन निदेशालय)

या समाहर्ता या समुचित सरकार प्रारंभिक अधिसूचना

(अधिनियम-30/2013 की धारा-11(1) के अधीन)

संख्या-792/भू0अ0

दिनांक-13/09/2024

भूकि झारखण्ड सरकार / समाहर्ता, कोडरमा को यह प्रतीत होता है, कि ग्राम-डुमरडीहा थाना-कोडरमा, थाना स0-258, अंचल-कोडरमा, जिला-कोडरमा में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा तिलैया से बगडो भाया जयनगर पथ के पुर्ननिर्माण हेतु अपेक्षित है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वसन एवं पुनर्व्यस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्ता अध्या नियम 2 (1) (ख) के तहत नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रूप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम-डुमरडीहा थाना-कोडरमा, थाना स0-258, अंचल-कोडरमा, जिला-कोडरमा में उपर्युक्त कतिष्ठ परिशोजना के लिए कमोवेश-5.0920 ए0 यानि 2.0607 हेक्टेयर मानक माप का मूखंड, जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है.....

ग्राम-डुमरडीहा थाना-कोडरमा थाना स0-258 अंचल-कोडरमा जिला-कोडरमा (खण्ड I)							सीमा (मूखंड सं०)				
क्रम सं०	खाता न०	सर्व मूखंड सं०	स्वामित्व का प्रकार	सर्व किस्म (भूमि का प्रकार)	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	७	८	९	१०	११
1	2	323	रैयती	टांड	0.1050	अनहच हजाम वो मैरो हजाम पेशरान करमन हजाम कोम- हजाम साकिन-देह	प्लॉट 323 अंश	सस्ता	प्लॉट 322		
2	5	2378	रैयती	चिरा-मीठा	0.0060	अनहच गोंग वो नागो गोंग पेशरान मगर गोंग कोम- गोवाला सा0-देह टोला- विंगलावर बहिरसा बराबर।	सस्ता	प्लॉट 2378 अंश	प्लॉट 2377	प्लॉट 2379	
3		508	रैयती	परती कदीम	0.0690		सस्ता	प्लॉट 4945 अंश	सस्ता	प्लॉट 508 अंश	
4		509	रैयती	परती कदीम	0.0710	अनहच गोंग वन्द रामजी गोंग वो बुधु गोंग वन्द जेहल गोंग कोम-गोवाला साकिन-देह।	प्लॉट 510	सस्ता	सस्ता	प्लॉट 509 अंश	
5	6	2314	रैयती	टांड	0.1450		सस्ता	प्लॉट 2314 अंश	प्लॉट 2315	प्लॉट 4919 अंश	
6		2704	रैयती	चिरा-मीठा	0.0010		प्लॉट 2704 अंश	सस्ता	प्लॉट 2705	प्लॉट 2572 अंश	
7		2705	रैयती	बाड़ी	0.0140		प्लॉट 2705 अंश	सस्ता	प्लॉट 2705	प्लॉट 4679 अंश	
8		4377	रैयती	टांड	0.0060		प्लॉट 4377 अंश	सस्ता	प्लॉट 4376	प्लॉट 4378 अंश	
9		4663	रैयती	चिरा-मीठा	0.0450		प्लॉट 4662 अंश	प्लॉट 4669	प्लॉट 4663 अंश	सस्ता	
10		4669	रैयती	चिरा-मीठा	0.0240		प्लॉट 4663 अंश	सस्ता	प्लॉट 4669 अंश	सस्ता	
11		4676	रैयती	बाद	0.0600		प्लॉट 4679 अंश	प्लॉट 5004	सस्ता	प्लॉट 4676 अंश	
12		4679	रैयती	चिरा-मीठा	0.0050	अनहच गोंग वन्द रामजी गोंग वो बन्धु गोंग वन्द जेहल गोंग कोम-गोवाला साकिन-देह।	प्लॉट 4680 अंश	प्लॉट 4676 अंश	सस्ता	प्लॉट 4679 अंश	
13	6	4680	रैयती	चिरा-मीठा	0.0040		प्लॉट 4681 अंश	प्लॉट 4679	सस्ता	प्लॉट 4680 अंश	
14		4681	रैयती	चिरा-मीठा	0.0090		प्लॉट 4682 अंश	प्लॉट 4680	सस्ता	प्लॉट 4681 अंश	
15		4682	रैयती	चिरा-मीठा	0.0200		प्लॉट 4683 अंश	प्लॉट 4681	सस्ता	प्लॉट 4682 अंश	
16		4943	रैयती	टांड	0.0530		प्लॉट 535 अंश	सस्ता	प्लॉट 4943 अंश	सस्ता	
17		5005	रैयती	परती कदीम	0.0300		सस्ता	प्लॉट 5005 अंश	प्लॉट 5006	प्लॉट 5004 अंश	
18		5070	रैयती	टांड	0.0120		सस्ता	प्लॉट 5070 अंश	प्लॉट 5090	प्लॉट 5068 अंश	
19	8	581	रैयती	टांड	0.1980	मुसोमात अरली जीजे भीखो मिगो वो मंगर मिगो वन्द मुखल मिगो कोम-जोलाहा साकिन-देह।	प्लॉट 581 अंश	सस्ता	प्लॉट 579	प्लॉट 582 अंश	
20	10	345	रैयती	परती कदीम	0.0250	अली मिगो वो अमरली मिगो पेशरान केवल मिगो कोम-जोलाहा सा0-देह बहिरसा बराबर।	प्लॉट 345 अंश	सस्ता	प्लॉट 335	प्लॉट 346 अंश	
21		324	रैयती	टांड	0.0280	उत्तमी राणा वन्द भीखो राणा वो दबरी वन्द अरली राणा कोम-बड़ही सा0-देह बहिरसा बराबर।	प्लॉट 324 अंश	सस्ता	प्लॉट 323	प्लॉट 325 अंश	
22	11	416	रैयती	टांड	0.0020		सस्ता	प्लॉट 416 अंश	प्लॉट 418	प्लॉट 415 अंश	
23		71	रैयती	परती कदीम	0.0210	उत्तमी गोंग वन्द मेधो गोंग वो चुरो गोंग वन्द तीलक गोंग कोम-गोवाला सा0-देह टोला-विंगलावर बहिरसा बराबर।	प्लॉट 71 अंश	सस्ता	प्लॉट 72	प्लॉट 68 अंश	
24	12	4804	रैयती	चिरा-मीठा	0.0110		सस्ता	प्लॉट 4804 अंश	प्लॉट 4794	प्लॉट 4805 अंश	
25		2367	रैयती	टांड	0.0430		सस्ता	प्लॉट 2367 अंश	प्लॉट 2369	प्लॉट 2366 अंश	
26	16	2379	रैयती	चिरा-मीठा	0.0130	किशुना गोंग वो लदु गोंग वो केवल गोंग पेशरान भीखो गोंग कोम-गोवाला साकिन-देह टोला -विंगलावर बहिरसा बराबर।	सस्ता	प्लॉट 2379 अंश	प्लॉट 2378	प्लॉट 2380 अंश	
27		2340	रैयती	टांड	0.0130		सस्ता	प्लॉट 2340 अंश	प्लॉट 2343	प्लॉट 2335 अंश	
28	18	4380	रैयती	बाड़ी	0.0050	कुंजील गोंग पेशरान सोनू गोंग कोम-गोवाला सा0- देह टोला- विंगलावर बहिरसा बराबर।	प्लॉट 4380 अंश	सस्ता	प्लॉट 4378	प्लॉट 4381 अंश	
29		4625	रैयती	परती कदीम	0.0020		प्लॉट 4625 अंश	सस्ता	प्लॉट 4624	प्लॉट 4628 अंश	
30	21	2525	रैयती	चिरा-मीठा	0.0080	खेदम गोंग वो दुखन गोंग पेशरान घोषल गोंग कोम- गोवाल साकिन-देह टोला- विंगलावर बहिरसा बराबर।	प्लॉट 2525 अंश	सस्ता	प्लॉट 2526	प्लॉट 2524 अंश	
31		353	रैयती	परती कदीम	0.0400		सस्ता	प्लॉट 353 अंश	प्लॉट 352	सस्ता	
32		4376	रैयती	टांड	0.0050	गणपत गोंग वन्द तिलक गोंग कोम-गोवाला सा0-देह टोला-विंगलावर।	प्लॉट 4376 अंश	सस्ता	प्लॉट 4375	प्लॉट 4377 अंश	
33	22	4684	रैयती	चिरा-मीठा	0.0350		सस्ता	प्लॉट 4684 अंश	प्लॉट 4683	प्लॉट 4730 अंश	
34		5006	रैयती	परती कदीम	0.0260		सस्ता	प्लॉट 5006 अंश	प्लॉट 5019	प्लॉट 5005 अंश	
35		5123	रैयती	सींगा	0.0340		सस्ता	प्लॉट 5123 अंश	प्लॉट 5124	प्लॉट 5122 अंश	
36	23	2384	रैयती	टांड	0.0090	मेन्दो गोंग वो तुलु गोंग वो कोकील गोंग पेशरान केवल गोंग एक हिस्सा बहिरसा बराबर वो दुखन गोंग वो करमन गोंग पेशरान मही गोंग एक हिस्सा बहिरसा बराबर कोम-गोवाला सा0- देह टोला-विंगलावर।	सस्ता	प्लॉट 2384 अंश	प्लॉट 2383	प्लॉट 2385 अंश	
37		2385	रैयती	टांड	0.0090	मेन्दो राणा वो गोपाल राणा पेशरान जीजे राणा वो मसोमत पन्ना जीजे देयाल राणा चौतीस हिस्सा बहिरसा बराबर वो मातु राणा वो मंगर राणा पेशरान गंगो राणा नी हिस्सा बहिरसा बराबर वो हुलास राणा वो जेहल राणा वो दुधन राणा पेशरान पुरन राणा नी हिस्सा बहिरसा बराबर कोम-बड़ही सा0-देह	सस्ता	प्लॉट 2385 अंश	प्लॉट 2384	प्लॉट 2370 अंश	
38	24	80	रैयती	परती कदीम	0.0310		प्लॉट 80 अंश	सस्ता	प्लॉट 81	प्लॉट 79 अंश	
39		325	रैयती	टांड	0.0090		प्लॉट 325 अंश	सस्ता	प्लॉट 324	प्लॉट 326 अंश	
40		326	रैयती	टांड	0.0130		सस्ता	सस्ता	प्लॉट 325	प्लॉट 327 अंश	
41		414	रैयती	टांड	0.0060		सस्ता	प्लॉट 414 अंश	प्लॉट 415	प्लॉट 413 अंश	
42	24	415	रैयती	टांड	0.0020		सस्ता	प्लॉट 415 अंश	प्लॉट 416	प्लॉट 414 अंश	
43		588	रैयती	टांड	0.0120		प्लॉट 588 अंश	सस्ता	प्लॉट 587	प्लॉट 589 अंश	
44		589	रैयती	टांड	0.0220		प्लॉट 589 अंश	सस्ता	प्लॉट 588	प्लॉट 590 अंश	
45		590	रैयती	टांड	0.0050		प्लॉट 590 अंश	सस्ता	प्लॉट 589	सस्ता	
46		2325	रैयती	टांड	0.0210	मेन्दो राणा वन्द लदु राणा वो नेहाल राणा पोंग पुनू प्रभु राणा कोम-बड़ही साकिन-देह टोला-विंगलावर	सस्ता	प्लॉट 2325 अंश	प्लॉट 2328	प्लॉट 2324 अंश	
47	25	2328	रैयती	टांड	0.0310		सस्ता	प्लॉट 2328 अंश	प्लॉट 2329	प्लॉट 2325 अंश	
48		2420	रैयती	टांड	0.0040		प्लॉट 2420 अंश	सस्ता	सस्ता	प्लॉट 2419 अंश	
49		332	रैयती	टांड	0.0010	चितो मिगो वन्द जीधो मिगो एक हिस्सा वो बाद मिगो वन्द रघु मिगो एक हिस्सा वो गणपत मिगो वन्द भीधो मिगो वो लुकन मिगो वन्द बन्धु मिगो एक हिस्सा वो लदु मिगो वन्द मिथारी मिगो कोम-जोलाहा साकिन-देह।	प्लॉट 332 अंश	सस्ता	प्लॉट 332 अंश	प्लॉट 333 अंश	
50		333	रैयती	टांड	0.0200		प्लॉट 333 अंश	सस्ता	प्लॉट 332	प्लॉट 334 अंश	
51	29	334	रैयती	टांड	0.0280		प्लॉट 334 अंश	सस्ता	प्लॉट 333	प्लॉट 335 अंश	
52		335	रैयती	टांड	0.0330		प्लॉट 335 अंश	सस्ता	प्लॉट 334	प्लॉट 345 अंश	
53		4674	रैयती	टांड	0.0310		सस्ता	सस्ता	प्लॉट 4674 अंश	सस्ता	
54	30	4683	रैयती	सींगा	0.0280	मुसामात चुनरी जीजे मानिक गोंग कोम-गोवाला सा0-देह टोला-विंगलावर।	सस्ता	प्लॉट 4683 अंश	प्लॉट 4682	प्लॉट 4684 अंश	
55		5020	रैयती	बाद	0.0470		सस्ता	प्लॉट 5020 अंश	प्लॉट 5021	प्लॉट 5019 अंश	
56		5061	रैयती	बाद	0.0210		सस्ता	प्लॉट 5061 अंश	प्लॉट 5062	प्लॉट 5021 अंश	
57	31	5260	रैयती	टांड	0.0110	वैनु गोंग वन्द लालदेव गोंग वो उत्तम गोंग वन्द खांगो गोंग कोम-गोवाला साकिन-खखरें	सस्ता	प्लॉट 5260 अंश	प्लॉट 5265	प्लॉट 5259 अंश	
58		5265	रैयती	बाद	0.0120		सस्ता	प्लॉट 5265 अंश	प्लॉट 5266	प्लॉट 5260 अंश	
59		527	रैयती	परती कदीम	0.0310	जौतन गोंग वन्द प्रभु गोंग वो मुसोमात ललिया जीजे हेमन गोंग कोम-गोवाला साकिन-देह टोला-विंगलावर बहिरसा बराबर	प्लॉट 528 अंश	सस्ता	प्लॉट 527 अंश	सस्ता	
60	36	2387	रैयती	टांड	0.0050		प्लॉट 2387 अंश	सस्ता	प्लॉट 2386	प्लॉट 2388 अंश	
61		4389	रैयती	टांड	0.0080		प्लॉट 4389 अंश	सस्ता	प्लॉट 4388	प्लॉट 4390 अंश	

62		2324	रैयती	टांड	0.0460	दुकन गोंग वो खेमन गोंग पेशरान गोविन्द गोंग वो मसो रमनी जीजे मेहन गोंग दो हिस्सा बहिरसा बराबर वो मसो0 दुसीया जीजे जखरम गोंग वो टिपन गोंग वन्द झरी गोंग एक हिस्सा बहिरसा बराबर कोम-गोवाला साकिन-देह टोला-विंगलावर।	सस्ता	प्लॉट 2324 अंश	प्लॉट 2325 अंश	प्लॉट 2316 अंश
63	40	2416	रैयती	टांड	0.0040		प्लॉट 2416 अंश	सस्ता	प्लॉट 2419 अंश	प्लॉट 2415 अंश
64	42	346	रैयती	परती कदीम	0.0380	टेको मिगो वो चुरो मिगो पेशरान मिथारी मिगो कोम-जोलाहा साकिन-देह बहिरसा बराबर।	प्लॉट 346 अंश	सस्ता	प्लॉट 345 अंश	प्लॉट 81 अं

